



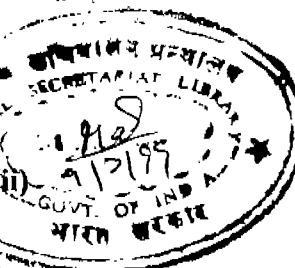
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 574]
No. 574]

नई दिल्ली, शुक्रवार 4, 1998/भाद्र 13, 1920
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 4, 1998/BHADRA 13, 1920

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

पूर्जी बाजार प्रभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1998

का. आ. 780 (अ).—भारतीय न्यास अधिनियम 1882, (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए प्रतिभूतियों के रूप में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले एक हजार पाँच सौ करोड़ रुपए मात्र से अनधिक के कुल मूल्य के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक फलेक्सी बांड 4 को, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:—

- (i) नियमित जाय बांड;
- (ii) डीप लिस्कार्ड बांड;
- (iii) अद्वा ब्याज बांड;
- (iv) शिक्षा बांड

अप्रतिभूत मोम्बायी बांड के रूप में प्राधिकृत करती है।

[एफ. सं. 6/7/सी. एम. /98]
यू. शरत अन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Economic Affairs)****Capital Market Division****NOTIFICATION**

New Delhi, the 4th September, 1998

S. O. 780 (E).— In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882) the Central Government hereby authorises the IDBI Flexibonds 4 comprising

- (i) Regular Income Bonds;
- (ii) Deep Discount Bonds;
- (iii) Growing Interest Bonds;
- (iv) Education Bonds.

being unsecured redeemable bonds of the aggregate value not exceeding rupees one thousand five hundred crores only to be issued by the Industrial Development Bank of India, Mumbai, a corporation established under section 3 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), as securities for the purpose of the said section.

[F.No. 6/7/CM/98]

U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.